सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

RNI TITLE CODE NO. RAJBIL27046

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 1 | अंक 19 | अजमेर, सोमवार 25 मार्च 2024 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

बीजेपी भी सुन रही है... गढ़ की जर्जर दीवारों का अफ्साना

अलविदा होती सर्दी और पारा चढने के साथ लोकसभा चुनाव की रणभेरी गूंज उठी है। अजमेर जिले का राजनीतिक मौसम भी करवट लेता नजर आ रहा है। सफेदपोश लबादा ओढे राजनीति के मेंढक टार्राने लगे हैं। कहने को तो यहां परंपरागत रूप से बीजेपी और कांग्रेस के वोटर्स के बीच जंग होती आई है पर हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में बागियों की फौज और निर्दलीयों के दम ने राजनीतिक पार्टियों की दिमागी घंटी बजा दी है।अजमेर उत्तर, ब्यावर, किशनगढ, पुष्कर, मसूदा, भिनाय में बागी होकर निर्दलीय चुनाव लडने वालों ने भाजपा और कांग्रेस को बता दिया है कि वोट बटोरने में हम भी किसी से कम नहीं। लोकसभा चुनाव में बस यही वजह प्रमुख राजनीतिक दलों के नीति निर्धारकों की बैचेनी का कारण बनी हुई है। बागी भले ही जीत ना पाएं पर अपनी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी की जीत में रोडा बन सकते हैं। मजबूरन नाराज नेताओं को पुचकारा जाने लगा है। भाजपा में तो बाकायदा बिन मुहूर्त घर वापसी की रस्म अदायगी हो रही है। फूंक फूंक कर कदम बढाने की तर्ज पर प्रत्याशी खोज कर थोपे जा रहे हैं। दलबदलुओं की पौ बारह है। पाला बदलने विचारधारा त्यागने का खेल परवान चढ चुका है। भाजपा देशभर में प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर पूरी रणनीति के साथ चुनावी समर में उतरने का दावा कर रही है। राजस्थान में सभी 25 सीटे जीतने का ख्वाब देखा जा रहा है। इस ख्वाब को सच करने मे अजमेर संसदीय सीट भी मानी जा रही है। होलिका दहन के दिन जारी हुई भाजपा की पांचवी लिस्ट में भागीरथ चौधरी ने एक बार फिर बाकी दावेदारों का धत्ता बताते हुए बाजी मार ली। हालाकि विधानसभा चुनाव के दौरान संगठनात्मक स्तर पर हुए कार्यकर्ताओं के बंटवारे और बगावत का बिगुल फूंकने वालों की बेरुखी भाजपा के लिए आने वाले तूफान का संकेत है।यह कहना गलत ना होगा कि सत्ता सुख भोग रहे अजमेर के नेताओं के इशारे पर चलने वाले पार्टी के स्थानीय संगठन की स्थिति उपर से प्राप्त आदेशों की अनुपालना तक सीमित होकर रह गई है। ऐसे में पार्टी विद द डिफ्रेंस का दावा करने वाली बीजेपी के लिए अजमेर सीट गलफांस बन सकती है। गत बार 4 लाख से भी अधिक वोटों से जीत हासिल करने वाले वर्तमान सांसद भागीरथ चौधरी को भले ही फिर मैदान में उतारा गया हो लेकिन हाल ही में किशनगढ से विधानसभा सीट पर वे बुरी तरह हार कर बेकद्री करा चुके हैं। ऐसे में लगातार दूसरी बार संसद तक पहुंचने के लिए चुनावी वैतरणी को हिचकोले भरती नाव के भरोसे वे कैसे पार करेंगे ये देखना भी दिलचस्प होगा। भागीरथ के खेवनहार खुद अपनी नाव मझधार से बड़ी मुश्किल से निकालकर ला पाए थे। भाजपा को ये नहीं भूलना चाहिए कि विधानसभा चुनाव के दौरान अजमेर उत्तर में जीत हासिल करने वाले वासुदेव देवनानी को कांग्रेस से अधिक अपनी ही पार्टी से बागवत कर निर्दलीय ताल ठोकने वाले पार्षद ज्ञान सारस्वत ने बडी चुनौती दी थी। लगातार जीत रहे देवनानी को चुनाव के दौरान सारस्वत ने घुटनों के बल ला दिया था। लंगडाकर चलने वाले सारस्वत ने बढती उम्र वाले देवनानी को इतना दौडाया कि उन्हें हांफने तक की फुर्सत ना लेने दी। जमा खर्च बराबर करने की आदत से मजबूर देवनानी संघर्षपूर्ण जीत और स्पीकर जैसे पावरफुल पद से नवाजे जाने के बाद मंत्रियों की तरह आदेश देने की ताकत वाले रूआब की जगह निर्देश देने तक सीमित कर दिए गए। मंत्रियों के दस्तखत वाली चिडिया बैठे बिना उनके निर्देश बेमानी हैं। हांए एक बात जरूर है कि चुनाव में कांग्रेस से ज्यादा दर्द देने वाले बागी होकर निर्दलीय चुनाव लडने वाले ज्ञान सारस्वत की अब तक घरवापसी नहीं हुई। इसे भी देवनानी की ताकत से जोडकर देखा जा रहा है। चुनाव में करीब 26 हजार मत हासिल करने के बाद भी सारस्वत की सकारात्मक चुप्पी और मोदी बयार के साथ बहने के पीछे संघ का वदरहस्त माना जा रहा है। ऐसे में उनकी घरवापसी को देवनानी लंबे समय तक रोक पाएं ऐसा नहीं लगता।राजनीति के जानकारों की माने तो स्पीकर जैसे विधायिका के पद से नवाजे जाने के बाद देवनानी अब भाजपा के काम के नहीं रहे। वे चाहकर भी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में खुलकर प्रचार नहीं कर सकेंगे। ऐसे में लोकसभा चुनाव के दौरान उनके विधानसभा क्षेत्र का खेवनहार कौन बनेगा यह सवाल भी उठ खडा हुआ है।जिला बन चुके ब्यावर को भले ही राजसंद का परकोटा अपने आगोश में ले चुका हो लेकिन उसकी आत्मा अब भी अजमेर से जुडी हुई है। यहां विधानसभा चुनाव में एक अनार सौ बीमार की तर्ज पर टिकट चाहने वालों की लंबी फेहरिस्त में शंकर सिंह रावत भले ही बाजी मार गए हों लेकिन निर्दलीय ताल ठोकने वाले इन्दर सिंह बागावास जैसे सनातनियों ने रावत की जीत वोटों की गिनती हो जाने तक सांसत में डाले रखा। कुछ ऐसा ही पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में सुरेश रावत के साथ भी घटित हुआ। वहां बागवती अशोक रावत ने उनके परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी की। टिकट दिलाने के बदले 4 करोड रुपए जैसी मोटी रकम हडप करने का आरोप प्रेस वार्ता में खुले तौर पर लगने से सुरेश रावत के लिए मुश्किलों का पहाड खडा हो गया था। ऐसे में सरलता से होने वाली जीत के लिए रावत को खासे पापड बेलने पडे।नसीराबाद में रामस्वरूप लांबा के सामने अपने बेटे को मैदान में उतार कर भंवरसिंह पलाडा ने लांबा का रायता ढोलना चाहा। शुक्र मनाई कि खुद कांग्रेसियों ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी शिवप्रकाश गुर्जर को गुर्जर जाट के चक्कर में बलि चढा दिया और जीत का सेहरा लांबा के सिर बंध गया वर्ना लांबा भी खतरे के निशान पर ही थे। गजब बात ये है कि हाल ही पलाडा परिवार की घर वापसी हो गईए जो स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए ना उगलते बने ना निगलते बने सरीखा है।भिनाय और मसूदा में भाजपा एकजुटता के साथ विधानसभा चुनाव में उतरी हो ऐसा नहीं है। तब की बनी गांठे लोकसभा चुनाव में खुल जाएंगी इसको लेकर भाजपा आलाकमान भले ही अतिआत्मविश्वास में हो लेकिन धरातल पर इसके आसार फिलवक्त तक नजर नहीं आ रहे।अंत में बात भाजपा की संगठनात्मक एकजुटता की तो बतादें शहर और देहात के अध्यक्ष एक बडे नेताओं के आगमन के इतर कभी एक जाजम पर बैठे नहीं दिखे। अजमेर उत्तर और दक्षिण में बंटी शहर भाजपा के हाल जगहाजिर है। देवनानी के वरदहस्त से पार्षद से शहर अध्यक्ष का ताज पहनने वाले रमेश सोनी भी सिर्फ अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष से अधिक साख नहीं बना सके हैं। उधर पूर्व में दागी होने का तमगा धारण करने के बाद देहात भाजपा अध्यक्ष देवीशंकर भूतडा की राजनीति आलाकमान के वरदहस्त तले चल रही है। देहात से चुने गए विधायक अपने दम पर राजनीतिक जमीन बचाए हुए हैं।

भाजपा ने जारी की 5वीं सूची,17 राज्यों की 111 सीटों पर उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव की पांचवीं सूची में 17 राज्यों की 111 सीटों पर अपने उम्मीदवार रविवार शाम घोषित कर दिए। पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को स्वीकृति दी है। पांचवीं सूची में 111 उम्मीदवारों में से 20 महिलाएं शामिल हैं।

पांचवीं सूची में पश्चिम बंगाल की 19 सीटोंए ओडिशा की 18 सीटों बिहार में भाजपा की सभी 17 सीटों उत्तर प्रदेश की 13 सीटों राजस्थान की 7 सीटों आंध्र प्रदेश एवं गुजरात की 6-6 सीटों हरियाणा कर्नाटक एवं केरल की 4-4 सीटों हिमाचल प्रदेश एवं तेलंगाना की 2-2 सीटों झारखंड एवं महाराष्ट्र की 3-3 सीटों गोवा सिक्किम एवं मिजोरम की एक-एक सीट के उम्मीदवार शामिल हैं।भाजपा ने आंध्र प्रदेश में अराकू (सु) सीट से वाईएसआर कांग्रेस से आने वाली कोथापल्ली गीता को टिकट दिया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन किरण कुमार रेड्डी को राजमपेट, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी पुरन्दरेश्वरी को राजमुंदरी से और तिरुपति से वर प्रसाद राव को टिकट दिया गया है।बिहार में बक्सर से केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का टिकट कट गया है और उनकी जगह मिथिलेश तिवारी को टिकट दिया गया है। नवादा से विवेक ठाकुर को बेगूसराय से गिरिराज सिंह, राजीव प्रताप रूडी को सारण से पुनः उतारा गया है। गुजरात में वडोदरा और साबरकांठा से नए चेहरों . हेमांग जोशी और शोभना बेन बरैया को मौका दिया गया है।हरियाणा में कुरुक्षेत्र से कांग्रेस छोड़ कर आने वाले उद्योगपति नवीन जिंदल को तथा हिसार में मंत्री रणजीत चौटाला को उतारा गया है जबकि हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना राणावत को टिकट दिया गया है। भाजपा ने झारखंड में दुमका (सु) सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ कर आयीं सीता सोरेन को उम्मीदवार बनाया है।

राजस्थान में जयपुर ग्रामीण से कर्नल राज्यवर्धन सिंह की जगह राव राजेन्द्र सिंह को उतारा गया है। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद में जनरल वीके सिंह के चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद अतुल गर्ग को टिकट दिया गया है। मेरठ में राजेन्द्र अग्रवाल की जगह रामानंद सागर के रामायण धारावाहिक में राम की सर्वकालिक लोकप्रिय भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल को उम्मीदवार बनाया गया है। पीलीभीत से वरुण गांधी की जगह जितिन प्रसाद को टिकट दिया गया है जबकि सुल्तानपुर से मेनका गांधी को उम्मीदवार बनाया गया है। कानपुर से सत्यदेव पचौरी का टिकट काट कर रमेश अवस्थी को उम्मीदवार

बनाया गया है। पश्चिम बंगाल में बैरकपुर से अर्जुन सिंह को तथा तामलुक से जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय को टिकट दिया गया है जो हाल ही में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे कर भाजपा में शामिल हुए हैं।राजस्थान में श्रीगंगानगर (सु) से प्रियका बालन, झुंझुनूं से शुभकरण चौधरी, जयपुर ग्रामीण से राव राजेन्द्र सिंह, जयपुर से मंजू शर्मा, टोंक सवाई माधोपुर से सुखबीर सिंह जौनपुरिया, अजमेर से भागीरथ चौधरी, राजसमंद से महिमा विश्वेश्वर सिंह को प्रत्याशी घोषित किया गया।आन्ध्रप्रदेश में अराकू से कोथापलली गीता अनाकापल्ली.सीएम से रमेश, राजमुंदरी से पुंरदरेश्वरी, नरसापुरम से बुपाथिराजु श्रीनिवास वर्मा, तिरूपति (सु) से वरप्रसाद राव राजमपेट से एन किरण कुमा रेड्डी को प्रत्याशी घोषित किया गया।

बिहार में पश्चिम चंपारण से डॉ. संजय जयसवाल पूर्वी चंपारण से राधा मोहन सिंह मधुबनी से अशोक कुमार यादव, अररिया से प्रदीप कुमार सिंह दरभंगा से गोपाल जी ठाकुर, मुजफ्फरपुर से राज भूषण निषाद, महाराज गंज से जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सारण से राजीव प्रताप रूड़ी, उजियारपुर से नित्यानंद राय, बेगूसराय से गिरिराज सिंह, पटना साहिब से रवि शंकर प्रसाद, पाटलिपुत्र से राम कृपाल यादव, आरा से आरके सिंह, बक्सर से मिथिलेश तिवारी, सासाराम (सु) से शिवेश राम, औरंगाबाद से सुशील कुमार सिंह, नवादा से विवेक ठाकुर को टिकिट मिला है। गोवा में दक्षिण गोवा से पल्लवी श्रीनिवास डेम्पो को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। गुजरात में मेहसाणा से हरिभाई पटेलए साबरकांठा से शोभनाबेन महेन्द्र सिंह बरैया, सुरेन्द्र नगर से चंदूभाई छगनभाई शिहोरा जूनागढ से राजेश भाई चुडासमा, अमरेली से भरतभाई मनभाई सुतारिया, बडोदरा से डॉ. हेमंग योगेश चन्द्र जोशी पर भरोसा जताया है। हरियाणा में कुरूक्षेत्र से नवीन जिन्दल हिसार से रणजीत चौटाला सोनीपत से मोहनलाल बडोली, रोहतक से डॉ अरविंद कुमार शर्मा भाजपा उम्मीदवार होंगे।हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा से डॉ. राजीव भारद्वाज, मंडी से ऐक्ट्रेस कंगना रानौत को प्रत्याशी घोषित किया गया।झारखंड में दुमका (सु) से सीता सोरेन चतरा से कालीचरण सिंह, धनबाद से डूलू महतो।

कर्नाटक में बेलगांव से जगदीश शेट्टार रायचूर सु राजा अमरेश्वर नायक, उत्तर कन्नड़ से विश्वेशर हेगड़े कगेरी, चिक्कबल्लारपुर से डॉ. के सुधाकर।केरल में वायनाड़ से के सुरेन्द्रन, आलत्तूर (सु) डॉ. टीनएन सरासु एर्नाकुलम डॉ केएस राधाकृष्णन, कोल्लम से जी कृष्ण कुमार।

महाराष्ट्र में भंडारा गोंदिया से सुनील बाबूराव मेढे गढ चिरौली चिमूर,(सु)अशोक महादेव राव नेते सोलापुर, (सु) राम सातपुते। मिजोरम में मिजोरम (सु) से वनालह मौका।

ओडिशा में बारगढ से प्रदीप पुरोहित, सुंदर गढ;सुद्ध से जुएल ओराम, संबलपुर से धर्मेन्द्र प्रधान पार्टी उम्मीदवार होंगे। इसी तरह क्योंझर (सु) से अनंत नायक, मयूरभंज (सु) नाबा चरण मांझी, बालासोर से प्रताप चन्द्र सारंगी भद्रक (सु) अभिमन्यु सेठी, ढेकनाल से रूद्रनारायण पाणी, बलांगीर से संगीता कुमारी सिंह देव, कालाहांडी से मालविका केशरी देव, नबरंगपुर (सु) से बलभद्र मांझी केन्द्र पाड़ा से बैजयंत जय पांडा जगतसिंह पुर (सु) से विभू प्रसाद तराई, पुरी से डॉ संबित पात्रा, भुनेश्वर से अपराजिता सारंगी अस्का से अनिता शुभदर्शिनी ब्रह्मपुर से प्रदीप कुमार पाणिग्रही कोरापुट (सु) कालेराम मांझी पार्टी प्रत्याशी होंगे।सिक्किम में सिक्किम से दिनेश चन्द्र नेपालतेलंगाना में वारंगल (सु) से अरूरी रमेश और खम्मम से तन्द्रा विनोद राव पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर से राघव लखनपाल, मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, मेरठ से अरूण गोविल, गाजियाबाद से अतुल गर्ग, अलीगढ से सतीश गौतम, हाथरस(सु) से अनूप वाल्मिकी, बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार पीलीभीत से जितिन प्रसाद सुल्तानपुर से मेनका गांधी कानुपर से रमेश अवस्थी, बाराबंकी सु राजरानी रावत, बहराईच ;सु डॉ अरविंद गौंड पार्टी पत्याशी होंगे।पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी(सु) से डा जयंत रॉय। दार्जिलिंग से राजू बिष्ट रायगंज से कार्तिक पॉल, जंगीपुर से धनंजय घोष कृष्णानगर से राजमाता अमृता रॉय बैकरपुर से अर्जुन सिंह, दमदम से शिलभद्र दत्त, बारासात से स्वप्न मजूमदार, बशीरहट से रेखा पात्रा, मथुरापुर (सु) से अशोक पुरकैत, कोलकाता दक्षिण से देवाश्री चौधरी, कोलकाता उत्तर से डॉ. तपस रॉय, उलूबेरिया से अरूण उदयपॉल चौधरी, रामपुर से कबीर शंकर बोस, आराम बाग (सु) अरूप कांति दीगर, तामलुक से जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय, मेदिनीपुर से अग्निमित्र पॉल, बर्धमान पूर्व;सु अशीम कुमार सरकार और बर्धमान.दुर्गापुर से दिलीप घोष पार्टी प्रत्याशी घोषित किए गए है।

हिमाचल प्रदेश में बहुमत के लिए कांग्रेस को 1 व भाजपा को 10 विधायकों की जरूरत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बहुमत वाली सरकार बनाने के लिए कांग्रेस को 9 में से सिर्फएक और भारतीय जनता पार्टी को 10 विधायकों का आंकड़ा चाहिए। प्रदेश के 68 विधानसभा क्षेत्रों में से कांग्रेस के पास अभी 34 और भाजपा के पास 25 विधायक है। राज्य में नौ विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं।छह विधानसभा क्षेत्रों धर्मशाला, सुजानपुर, गगरेट, कुटलैहड़, बडसर और लाहौल.स्पीति में उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। नालागढ़, देहरा और हमीरपुर में भी एक जून 2024 को ही उपचुनाव की घोषणा जल्द होने के आसार है। उपचुनाव में अगर भाजपा ही सभी 9 सीटें जीतती है तो प्रदेश में फिर से राजनीतिक संकट खड़ा हो सकता है। प्रदेश में बहुमत वाली सरकार बनाने के लिए दोनों दलों को 35 विधायकों की आवश्यकता रहेगी। ऐसे में सत्ता की खातिर आने वाले दिनों में हिमाचल में और सियासी घटनाक्रम होने के आसार बने हैं। बहुमत साबित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के अलाव 34 विधायकों का संख्या बल जरूरी है। विधायकों की संख्या बराबर होने पर ही विधानसभा अध्यक्ष मतदान कर सकते हैं। अभी विधानसभा अध्यक्ष सहित कांग्रेस के पास विधायकों की संख्या 34 हैं। ऐसे में अगर बहुमत साबित करना पड़े तो कांग्रेस के 33 विधायक सदन में मतदान कर सकेंगे।

जून में होने विधानसभा के नौ उपचुनाव में अगर कांग्रेस सिर्फएक सीट भी जीत जाती है तो उसके पास बहुमत साबित करने वाले विधायकों की संख्या बढ़कर 34 हो जाएगी। ऐसे में सरकार को कोई खतरा नहीं रहेगा। अगर कांग्रेस उपचुनाव में एक भी सीट नहीं जीती और भाजपा के प्रत्याशी ही नौ सीटों पर विजयी रहे तो भाजपा के विधायकों का आंकड़ा 25 से बढ़कर 34 हो जाएगा। ऐसी स्थिति में काग्रेस की सरकार अल्पमत में आ जाएगी। उधर अटकलें है कि आने वाले दिनों में 35 विधायकों के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए और उथल.पुथल हो सकती है। दोनों राजनीतिक दल एक.दूसरे के विधायकों को तोड़ने की फिराक में रहेंगे।विधायकों का संख्या बल अधिक होने पर अगर भाजपा सरकार बनाती है तो बहुमत साबित करने के समय उनकी स्थिति भी कांग्रेस जैसी हो जाएगी। सरकार के गठन के बाद भाजपा को अपना विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त करना होगा। सदन में बहुमत साबित करते समय विधानसभा अध्यक्ष फिर वोट नहीं दे सकेंगे।ऐसे में मतदान करने वाले भाजपा के विधायकों की संख्या घटकर 33 हो जाएगी। विधायकों के संख्या बल के अनुसार कांग्रेस के पास 34 का आंकड़ा रहेगा। इस स्थिति में प्रदेश में फिर सियासी संकट खड़ा हो जाएगा। ऐसे में जिस भी राजनीतिक दल को प्रदेश में बहुमत वाली सरकार बनानी हैए उसे कम से कम 35 विधायकों की जरूरत रहेगी।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर सेन्टर रूल्स 1956 के अनुसार

'सबगुरु न्यूज'

समाचार पत्र के स्वामित्व व अन्य विवरण का ब्यौरा

प्रपत्र-4

(देखिये नियम-8)

1.	प्रकाशन का स्थान	- कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
2.	प्रकाशन अवधि	- पाक्षिक
3.	मुद्रक का नाम	- इंडिया ऑफसेट
	क्या भारत का नागरिक है	- हां
4.	मुद्रणालय का नाम	- किशन गुप्ता 419 ब्रह्मपुरी जयपुर रोड अजमेर
5.	प्रकाशक का नाम	- विजय सिंह
	क्या भारत के नागरिक है	- हां
	पता	- कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
6.	सम्पादक का नाम	- विजय सिंह
	क्या भारत के नागरिक है	- हां
	पता	- कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
7.	उन सभी व्यक्तियों का नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो	- विजय सिंह कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर (राज.) कोई नहीं

मैं विजय सिंह एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरे अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

दिनांक 25.3.2024

विजय सिंह

प्रकाशक के हस्ताक्षर

राजनाथ सिंह ने लेह में सैनिकों के साथ मनाई होली

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह में सैनिकों के साथ रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के साथ मनाया। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और फायर एंड फ्यूरी कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल रशिम बाली भी इस मौके पर उनके साथ थे। रक्षा मंत्री ने सैनिकों को संबोधित करते हुए दुर्गम इलाकों और प्रतिकूल मौसम में मातृभूमि की रक्षा करने के लिए उनकी वीरताए दृढ़ संकल्प और बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उचाई वाले इलाकों में तैनात सैनिकों की सकारात्मक प्रतिबद्धता शून्य से भी कम तापमान से भी ज्यादा मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है मुंबई वित्तीय राजधानी है और बेंगलूरु प्रौद्योगिकी राजधानी है उसी तरह लद्दाख भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी है।सिंह ने कहा कि पूरा देश सुरक्षित महसूस करता है क्योंकि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम प्रगति कर रहे हैं और खुशहाल जीवन जी रहे हैं क्योंकि हमारे सतर्क सैनिक सीमाओं पर तैयार खड़े हैं। प्रत्येक नागरिक को सशस्त्र बलों पर गर्व है क्योंकि वे अपने परिवारों से बहुत दूर रहते हैं ताकि हम होली और अन्य त्योहार अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्वक मना सकें। राष्ट्र सदैव हमारे सैनिकों का ऋणी रहेगा और उनका साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ही सैनिकों के साथ होली मनाने का फैसला किया क्योंकि उनका मानना है कि त्योहारों को सबसे पहले देश के रक्षकों के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने तीनों सेनाओं के प्रमुखों से एक दिन पहले सैनिकों के साथ त्योहार मनाने की नई परंपरा शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कारगिल की बर्फीली चोटियों पर राजस्थान के तपते मैदानों में और गहरे समुद्र में स्थित पनडुब्बियों में सैनिकों के साथ इस तरह का जश्न हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग बनना चाहिए।इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में लेह के युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पूर्व वायु सेना प्रमुख आर के एस भदौरिया भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के पूर्व अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल ;सेवानिवृत्त, राकेश कुमार सिंह भदौरिया और युवजन श्रमिका रायथू ;वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता वरप्रसाद राव वेलागापल्ली ने आज यहां भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं राष्ट्रीय मीडिया सहप्रभारी डॉ.संजय मयूख ने उन्हें भाजपा सदस्यता दिलाई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एयर चीफमार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया और वेलागापल्ली का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर आज मोदी का परिवार और भी बड़ा हो गया है।

ठाकुर ने कहा कि पिछले चार दशकों से एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने भारतीय वायु सेना में अपनी सेवाएं दी हैं। देश के करोड़ों युवा सुरक्षित भारत की जब कल्पना करते हैं तब वे मोदी की ओर बड़ी अपेक्षा और आकांक्षा के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा कि समृद्ध भारत, सुरक्षित भारत और 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ही संभव हो सकता है।भाजपा महासचिव तावड़े ने एयर चीफ मार्शल ;सेवानिवृत्त राकेश कुमार सिंह भदौरिया और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता वेलागापल्ली का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी के कुशल नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कई दलों के नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

भारतीय वायु सेना के पूर्व अध्यक्ष भदौरिया ने आत्मनिर्भर भारत अभियान में सक्रिय रूप से अपना योगदान दिया है और कई पदक भी अर्जित किए हैं।तावड़े ने कहा कि वेलागापल्ली भी सक्रिय रूप से राजनीति में रहे हैं और काफी समय से जनता के बीच रहें हैं। तावड़े ने विश्वास जताया कि भाजपा में शामिल हुए दोनों नेता प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपना सर्वस्व योगदान देंगे।

भाजपा में शामिल हुए एयर चीफ मार्शल ;सेवानिवृत्त राकेश कुमार सिंह ने मोदीए भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि पिछले 10 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में मुझे अपनी सेवाएं देने का मौका मिल है। मोदी के नेतृत्व में पार्टी द्वारा भारतीय सेना को सशक्त करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो भी अहम कदम उठाए गए हैं उससे भारतीय सेना को ताकत मिली है।वेलागापल्ली ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास की लहर चल रही है। वह भी मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के विकास कार्यों में योगदान देंगे। साथ हीए नड्डा के मार्गदर्शन में मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी से जुड़ने का अवसर मिला है।

बहुजन समाज पार्टी ने 25 लोकसभा सीटों पर उतारे उम्मीदवार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को 25 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी महासचिव मेवालाल गौतम ने सुबह पहली सूची जारी कर 16 प्रत्याशियों के नाम का खुलासा किया जबकि शाम को एक और सूची के जरिये 9 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया। बसपा की सूची में मुस्लिम और पिछड़ी जातियों को तरजीह दी गई है।

सहारनपुर से माजिद अली कैराना से श्रीपाल सिंहए मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापतिए बिजनौर से बिजेन्द्र सिंह नगीना ;सु से सुरेन्द्र पाल सिंह मुरादाबाद से मो इरफान सैफी रामपुर से जीशान खां संभल से शौलत अली अमरोहा से मुजाहिद हुसैन मेरठ से देववृत्त त्यागी बागपत से प्रवीण बंसल, गौतमबुद्ध नगर से राजेन्द्र सिंह सोलंकी बुलंदशहर ;सु से गिरीश चंद्र जाटव आंवला से आबिद अली पीलीभीत से अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू और शाहजहांपुर से दोदराम वर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। दूसरी सूची में प्रत्याशी के तौर पर हाथरस ;सु से हेमबाबू धनगर, मथुरा से कमलकांत उपमन्यु, आगरा ;सुद्ध से पूजा अमरोही, फतेहपुर सीकरी से रामनिवास शर्माए फिरोजाबाद से सतेन्द्र जैन सोली, इटावा ;सु से सारिका सिंह बघेल, कानपुर से कुलदीप भदौरिया अकबरपुर ;कानपुर से राजेश कुमार द्विवेदी और जालौन ;सुद्ध से सुरेश चंद्र गौतम का नाम शामिल किया गया है।गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को आठ सीटों पर मतदान होगा जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया 20 मार्च को शुरु हो चुकी है। पश्चिम उत्तर प्रदेश की कैराना, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, सहारनपुर, बिजनौर और नगीना, रामपुर और मुरादाबाद सीट में बसपा रोचक जंग में शामिल होगी। बसपा ने 2019 के आम चुनाव में सहारनपुर, बिजनौर और नगीना पर परचम फहराया था जबकि भाजपा के हिस्से में कैराना, मुजफ्फरनगर और पीलीभीत और सपा के खाते में रामपुर और मुरादाबाद सीट आई थीं।

मजदूरों के मुद्दे! चुनावी मुद्दे क्यों नहीं बनते

भारत में लोकतंत्र को 74 वर्ष पूरे हो गए हैं व आजादी का अमृत काल चल रहा हो फिर भी यह लोकतंत्र अधूरा सा लगता है क्योंकि लोकतंत्र के इस पार्टी तंत्र ने देश के एक बड़े हिस्से को एक दम से भूला दिया गया है। देश में आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार कुल 53.53 कामगारों में से 43.99 करोड़ श्रमिक असंगठित क्षैत्र में काम करते हैं। असंगठित क्षैत्र के मजदूरों में बड़ी संख्या में मजदूर एक राज्य से दूसरे राज्य में प्रवास करतें हैं।यह प्रवास मौसमी व कुछ क्षेत्रों में लम्बा भी होता है। जो गांव शहर राज्य को छोड़कर रोजगार की तलाश में दूसरें शहर व राज्य में परिवार सहित व पुरूष चलें जातें हैं यह मजदूर अपने वतन वापस कब ए कितनें समय में आऐंगे पता नहीं। देश भौगोलिक रूप से भले ही आजाद हो गया हो लेकिन काम के कुछ क्षेत्रों में मजदूर आज भी अपना निर्णय के लिए स्वतंत्र नहीं होता है।हालांकि मजदूर के जीवन के सारे निर्णय तो मालिक ही करता हैं। लोकतंत्र में हर पांच वर्ष में देश की सरकार बनाने के लिए सबसे बड़ें चुनाव लोकसभा, राज्यों के लिए विधानसभा व स्थानीय नगर निकाय व पंचायत राज के चुनाव होते हैं । लेकिन इस पंचवर्षीय चुनाव प्रणाली में पार्टी तंत्र की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है।चुनावों में राजनैतिक पार्टियां चुनाव जीतनें के लिए पूरी ताकत लगाती है अच्छे प्रत्यासी का चयन एधन बल व घोषणा पत्र यह सब करती है ताकि अपने अपने दल की सरकार बना सकें। बस सभी राजनैतिक दलों से एक चूक हो जाती है और वह जब भी राजनैतिक दल 100, 50 पन्नों का चुनावी घोषणा पत्र बनानें है तब सभी दलों के घोषणा पत्र में देश की 40 प्रतिशत आबादी के लिए पांच लाइन की जगह भी नहीं मिलती है जब मजदूरों की बारी आती है तो या तो कागज कम पड़ जाता है या इनकी स्याही सूख जाती है। कुछ दल तो मात्र एक लाइन में ही खत्म कर देते है।सबसे बड़ा सवाल है कि आखिरकार देश की इतनी बड़ी आबादी को राजनैतिक दल क्यों बिसरा देतें है।

क्यों इनके घोषणा पत्र मजदूरों के मुद्दे पर सूने हो जाते हैं:-इसके क्या कारण है कि एक किताब जैसे घोषणा पत्र में थोड़ी भी जगह मजदूरों के लिए क्यों नहीं रख पाते हैं ऐसी क्या मजबूरी है क्या इसके लिए पूंजीवादी, ब्राह्मणवादी व्यवस्था के वाहक इसकी इजाजत नहीं देते या मजदूर लोकतंत्र व राजनैतिक दलों के लिए मजदूर कोई खास हैसियत नहीं रखतें या मजदूरों के कोई मुद्दे! मुद्दे ही नहीं है ।हाल ही में हमनें कोविड जैसी महामारी में मजदूरों के हालात पूरे देश ने देखें है कैसे पूंजी पतियों ने सभी मजदूरों को सड़क पर मरनें के लिए छोड़ दिया था व खुद को अपने महल में स्वंय व अपने परिवार को सुरक्षित करने के लिए दरवाज़ें बंद कर लिए थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय रोजगार शोषण, न्यूनतम मजदूरी, बंधुआ मजदूरी, मौलिक अधिकार व श्रम कानूनों की पालना जैसे सैकड़ों मुद्दे आज भी मुंह बाहें खड़े है लेकिन जब मजदूरों की बात आती है तो सबके सब क्यों चूपी साध लेते हैं।सब वर्गों के मुद्दों पर बात होती है चुनावी मुद्दे भी बनते हैं सिर्फमजदूरों पर ही बात क्यों नहीं होती है।

क्या सबके वोट का मूल्य अलग. अलग है:-देश के संविधान निर्माताओं ने तो इस देश के नागरिकों को प्रत्येक नागरिक को एक वोट का अधिकार दिया था गरीब हो चाहें अमीर सबके वोट की कीमत बराबर होगी जब वोट की कीमत समान है तो बाकी मतदाताओं के हित व कल्याण के मुद्दों पर बात होती है राजनैतिक दल घोषणा पत्र में भी लम्बा चौड़ा लिखतें है चुनावों में चर्चा भी होती है

तो सिर्फ मजदूरों के मुद्दों पर ही बेरूखी क्यों:-असंगठित क्षैत्र के प्रवासी मजदूर जो स्थानीय स्तर पर काम नहीं मिलनें से एक जिले से दुसरे जिलें में व एक राज्य से दूसरे राज्य में काम की तलाश में चले जाते हैं। इन मजदूरों को वापस अपने घर आनें में महीनों सालों लग जाते हैं कहीं बार तो यह मजदूर अपने मताधिकार का उपयोग भी नहीं कर पाते हैं कई बार मजदूर अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहता भी है लेकिन वह अपनें गांव व राज्य में जानें के लिए स्वतंत्र नहीं होता है।

बहुत से क्षैत्र ऐसे है जिनमें मालिक मालिक वोट डालनें के लिए भी छुट्टी नहीं देता है भलें ही मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश होता है लेकिन यह अवकाश आज तक मजदूर को कभी मिला ही नहीं बहुत से कामों में तो छुट्टी ही नहीं मिलेती व कुछ में मिलती है तो मजदूरी नहीं। देश में ऐसा ही एक व्यवसाय है ईंट भट्ठा इस पूरे व्यवसाय में सीजन भर के लिए नियमित मजदूर चाहिए होते हैं इस व्यवसाय में हर रोज नया मजदूर नहीं लाया जा सकता है एवं देश में अधिकांश ईट भट्ठों पर प्रवासी मजदूर ही काम करतें हैं इन मजदूरों को जब भी चुनाव होते हैं मालिकों द्वारा घर नहीं जानें देने से भट्ठों के सभी मजदूर वोट से वंचित रह जाते हैं। इसलिए भी राजनैतिक दल व स्थानीय जनप्रतिनिधि मजदूरों व उनके मुद्दों पर कम ध्यान देते है।स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर मजदूर संगठनों की मजबूत आवाज नहीं होनें से भी मजदूर व मजदूरों के मुद्दे हांशिएं पर रहें हैं। आज भी मजदूरों को दुर्दशा हम सब से छुपी नहीं है। मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी ,बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य श्रम कानूनों की पालना, सुरक्षा के उपाय, सामाजिक सुरक्षा, सरकार की योजनाओं से वंचित इन सबसे मजदूर कोषों दूर है सबसे ज्यादा मेहनत करने के बाद भी देश सबसे ज्यादा दुर्दशा खराब है तो वह है मजदूर देश की सता व राजनैतिक दलों पर पूंजीपतियों का प्रभाव देखा जाता है इसलिए भी मजदूरों के मुद्दे हमेशा दोयम दर्जे के हो जाते हैं सबकी प्राथमिकता सिर्फ मालिक होतें है।उतर प्रदेश के चित्रकुट जिलें मजदूर सुरेश रैदास बताते हैं की में पिछलें 25 सालों से राजस्थान के ईंट भट्ठों पर काम कर रहा हूं मेनें अभी तक जीवन में 3-4 बार ही वोट डाला पाया हूं जब भी वोट पड़ते हैं तब में अक्षर काम की वजह से बाहर ही रहता हूं कभी कभी वोट पड़ते हैं तब हमारे राज्य से फोन भी आता है लेकिन सीजन के बीच में भट्ठा मालिक भी नहीं जानें देता है व बहुत दूर होनें से हमारी मजदूरी का भी नुकसान होता है व इतना किराया भाड़ा लगाकर वोट डालनें जाना भी संभव नहीं होता है क्योंकि ईंट भट्ठों पर नियमित मजदूरी नहीं मिलती है मजदूरी तो सीजन के अंत में ही मिलती है बीच में मालिक पैसा नहीं देता है और मालिक का काम भी खराब होता है।साथ ही बिहार के बांका जिलें के मंटू लैया बताते हैं की हम लोग तो गांव से आने के बाद 9-10 महीने भीलवाडा राजस्थान के ईंट भट्ठों पर काम करतें हैं

कब चुनाव होते हैं पता ही नहीं चलता है । कभी कभी गांव के सरपंचों के चुनाव का पता चलता है बाकी चुनाव में तो अंतिम बार कब वोट डाला है याद ही नहीं है । मजदूरों से बात करने से पता चलता है की क्यों मजदूरों के मुद्दे चुनावी मुद्दे नहीं बनते हैं ज्यादातर मजदूर वोट ही नहीं डालते हैं बल्कि इनको वोट डालने ही जानें नहीं दिया जाता हैं इसलिए चुनावों में राजनैतिक दल व प्रत्यासी व जनप्रतिनिधि मजदूरों के मजदूरों की चर्चा ही नहीं करतें हैं।तभी हम लोग देखते हैं देश में लोकतंत्र लागू होने के इतनें वर्षों बाद भी शत प्रतिशत मतदान क्यों नहीं होता है अक्षर देखने में आता है की लोकसभाचुनाव या विधानसभा में अधिकतम 60 से 80 प्रतिशत मतदान ही हो पाता है।

हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी नहीं बनती है कि देश में हर चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान हो कोई भी नागरिक किसी भी कारण से चाहे वो अपने गांव शहर, राज्य से बाहर रहता हो मताधिकार से वंचित नहीं रहें। जब सभी मजदूर अपने मताधिकार का उपयोग करेगें तो निश्चित रूप से अपने मुद्दों के प्रति भी मुखर होगें तभी राजनैतिक दलों के घोषणा पत्र में भी मजदूरों को जगह मिलेगी व चुनावों में भी चर्चा होगी।

जब देश में एक देश एक व्यवस्था जैसी कल्पना की जा रही है तो देश का नागरिक चुनाव के समय कहीं भी मौजूद हो उसें उसी जगह पर मताधिकार का उपयोग कर सकें ऐसी व्यवस्था हो ताकि प्रवासी मजदूर भी मताधिकार का उपयोग कर सकें जिसे सरकारें ए राजनैतिक दल मजदूरों के मुद्दों का अकाल खत्म कर सकें।

झालावाड़ में डंपर से कुचलकर 5 लोगों की हत्या, दो आरोपी अरेस्ट

झालावाड़। राजस्थान में झालावाड़ जिले के मध्य प्रदेश से सटे भवानी मंडी क्षेत्र में 5 लोगों को आपसी विवाद के बाद डंपर से कुचलकर हत्या कर देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया।मिली जानकारी के अनुसार भवानी मंडी क्षेत्र के पगारिया थाना क्षेत्र के गांव फटे निवासी निवासी दो भाई धीरप सिंह और भरत सिंह शनिवार रात को गांव के पास एक ढाबे पर शराब पार्टी कर रहे थेए तभी दो युवक डूंगर सिंह और रणजीत सिंह भी वहां पहुंच गए।वहां डूंगर सिंह और रणजीत सिंह की आहू नदी से रेत निकालने के मामले को लेकर धीरप सिंह और भरत सिंह से कुछ कहासुनी होने लगी जिसकी सूचना मिलने पर धीरप सिंह और भरत सिंह के तीन मित्र बालू सिंहए तूफान सिंहए गोवर्धन सिंह सोंधिया भी ढाबे पर पहुंच गए।इस बीच दोनों पक्षों में समझौता के बाद मामला शांत हो गया लेकिन कुछ देर बाद दोनों भाई धीरप सिंह और भरत सिंह अपने तीनों दोस्तों बालू सिंहए तूफान सिंहए गोवर्धन सिंह के साथ रविवार को इस विवाद की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराए जाने की कह कर दो मोटर साइकिलों से पगारिया थाने की ओर रवाना हो गए।इसकी जानकारी मिलने पर गुस्साये डूंगर सिंह और रणजीत सिंह भी एक ड़म्पर लेकर उनका पीछा करने लगे और पगारिया रोड पर पांचों को ड़म्पर से कुचल दिया और मौके से फरार हो गए। ड़म्पर से कुचले जाने से दोनों भाईयों धीरप सिंह और भरत सिंह सहित तूफान सिंहए गोवर्धन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बालू सिंह ने बाद में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।इस घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पांच युवकों की हत्या से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को ड़ग.गंगधार सड़क मार्ग पर ट्रैक्टर खड़े करके कुछ देर के लिए रास्ता जाम कर दिया लेकिन बाद में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम हटा दिया गया। अधिकारियों ने मृतक के परिवारजनों को पर्याप्त मुआवजा दिलवाने और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय से शीघ्र सजा दिलाने का आश्वासन दिया।इस मामले में आरोपित किए गए डूंगर सिंह रणजीत सिंह वारदात के बाद फरार होने में सफल हो गए थे जिनकी गिरफ्तारी पर झालावाड़ की जिला पुलिस अधीक्षक चा तोमर ने 10-10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की थी। बाद में झालावाड पुलिस ने दोनों आरोपियों को मध्यप्रदेश राज्य में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

उर्वशी रौतेला ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अयोध्या में रामलला का दर्शन किए हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने अयोध्या में राम लला के दर्शन किए थे। प्रियंका के बाद अब उर्वशी रौतेला भी राम लला के दर्शन को पहुंची। उर्वशी ने मंदिर में हाथ जोड़कर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लिया। उर्वशी माथे पर तिलक लगाकर और भगवान राम के नाम की चुनर ओढ़कर रामलला के दरबार में दर्शन किए। उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी को लेकर चर्चा में है।

As temperatures escalate, Union Health Ministry and NDMA Issue Joint-Advisory to States on measures to prevent Hospital Fires during Summer months

UTs underscoring the paramount importance of proactive measures in preventing such devastating incidents.

State Health Departments and State Disaster Management Authorities have been directed to work in close collaboration to ensure that all accredited hospitals within their jurisdiction take immediate action on the following:Thorough Inspections: Conduct comprehensive fire safety audit / on-site inspections of all hospitals to assess fire safety compliance. Ensure that fire-fighting systems, including fire alarms, fire smoke detectors, fire extinguishers, fire hydrants, and fire lifts, are present and fully functional. Electrical Load Audits: Address the critical issue of insufficient electrical load capacity. Hospitals must regularly conduct electrical load audits, particularly when adding new equipment or converting spaces into ICUs. Any identified discrepancies must be promptly rectified.

• Fire NOC Compliance: Hospitals must strictly adhere to regulatory requirements and obtain valid fire No-Objection Certificates (NOCs) from their respective state fire departments. Prioritize re-calibration of electrical loads in older buildings constructed before adopting fire safety norms.

A detailed set of instructions outlining the steps and measures to be undertaken by hospitals to ensure fire safety compliance have also been provided to Chief Secretaries of all States and UTs, recommending them to disseminate the information among all accredited hospitals.

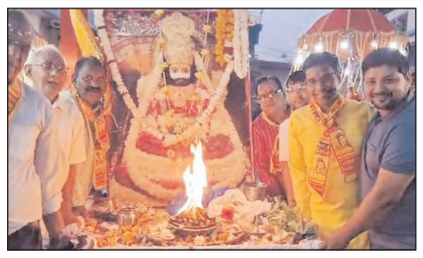

राजसी ठाठ बाट से नगर भ्रमण पर निकले श्री श्याम बाबा

अजमेर। श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से रविवार को राजसी ठाठ बाट से श्री श्याम बाबा की निशान यात्रा सिविल लाइन थाने से निकाली गई।

यात्रा के संयोजक पार्षद नरेद्र तुनवाल ने बताया कि बाबा श्याम की निशान यात्रा में जन सैलाब उमड पड़ा। यात्रा में शामिल होने वाले श्याम प्रेमियों को श्याम रक्षा सूत्र का वितरण किया गया। पुष्कर सहित आसपास के क्षेत्र से मंगवाए डेढ टन फुल्लों से पुष्प वर्षा की गई। यात्रा में श्याम बाबा को नगर भ्रमण करवाया गया।

निशान यात्रा मे मुकेश ढलवाल, श्याम सुंदर टांकए धर्मेंद्र ढलवाल, उमेश टांक, दीपक खोरवाल, टीकम शर्मा, मोहित चौहान, विकास महावरए पंकज, अमित टांक, प्रतीक सैनी, कन्हैयालाल तुनवाल आदि का सहयोग रहा। यात्रा का समापन शिव मंदिर भोपों का बाडा पर हुआ। महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

किशनगढ़ में कार पलटने से एक व्यक्ति की मौत, 4 घायल

अजमेर। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ शहर थानान्तर्गत नसीराबाद रोड पर रविवार को एक कार पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज गति से आ रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें पांच लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल लाया गया परन्तु एक घायल की हालत नाजुक होने पर उसे अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के लिए रेफर किया गयाए जहां उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी रमेश कुमार वर्मा ;65 के रूप में की गई है। पुलिस मृतक के पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द करेगी।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277,
7737385114
Email ID
sabgurunews@gmail.com
अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.
जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

भाजपा की 5वीं सूची में कंगना रनौत और अरुण गोविल जैसे बड़े नाम शामिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की 17 राज्यों के 111 लोकसभा उम्मीदवारों की रविवार को जारी की गई पांचवीं सूची में अभिनेत्री कंगना रनौत और अरुण गोविल, कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय और उद्योगपति नवीन जिंदल बड़े नाम शामिल हैं।सूची के अनुसार कंगना को हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से मैदान में उतारा गया है जबकि पूर्व न्यायाधीश गंगोपाध्याय पश्चिम बंगाल के तमलुक से मैदान में होंगे। घोषणा के बाद पार्टी को धन्यवाद देते हुए कंगना रनौत ने कहा कि मेरे प्रिय भारत और भारतीय जनता पार्टी को हमेशा मेरा बिना शर्त समर्थन मिला है आज भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझे मेरे जन्मस्थान हिमाचल प्रदेश से अपना लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया है। मंडी ;निर्वाचन क्षेत्र लोकसभा चुनाव लड़ने पर मैं आलाकमान के फैसले का पालन करती हूं।भगवा पार्टी ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से वरुण गांधी को हटा दिया और पूर्व कांग्रेस नेता जितिन प्रसाद को सीट आवंटित कर दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरुण की मां मेनका गांधी को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से मैदान में उतारा गया है। आज ही भाजपा में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपति और पूर्व कांग्रेस सांसद नवीन जिंदल को हरियाणा की कुरूक्षेत्र सीट से पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है। लोकप्रिय टीवी धारावाहिक रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल उप्र की मेरठ लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ;टीएमसी से भाजपा में शामिल हुए अर्जुन सिंह और तापस रॉय पश्चिम बंगाल में क्रमशः बैरकपुर और कोलकाता उत्तर सीटों से चुनाव लड़ेंगे।

बिहार में पार्टी ने आरा से केंद्रीय मंत्री आरके सिंहए उजियारपुर से नित्यानंद राय और बेगुसराय से गिरिराज सिंह को चुना है। पूर्व केंद्रीय मंत्रियों में रविशंकर प्रसाद पटना साहिब से राजीव प्रताप रूडी सारण सेए राधा मोहन सिंह पूर्वी चंपारण से और राम कृपाल यादव पाटलिपुत्र से चुनाव लड़ेंगे।भाजपा ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को संबलपुर से और वरिष्ठ नेता संबित पात्रा को ओडिशा के पुरी से अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद सूची जारी की गई।बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य सदस्य शामिल हुए। 543 लोकसभा सीटों के लिए सांसदों का चुनाव करने के लिए सात चरण का चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून के बीच होगा वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर फाग महोत्सव में खूब उड़ा गुलाल

अजमेर। श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर रविवारिय मेले में फूलों के साथ अबीर गुलाल उडाकर होली महोत्सव मनाया गया। चंग की थाप पर भक्तों ने जमकर होली खेली।इससे पहले धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने मंदिर परिसर में बाबा भैरवए मां कालिका चक्की वाले बाबा तथा सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की पूजा अर्चना की। महाराज ने मंदिर प्रांगण में मौजूद श्रद्धालुओं के साथ फूलों और अबीर गुलाल से होली खेली। महाराज ने सभी देशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी स्वस्थ रहें निरोगी रहेंए सभी पर भगवान की कृपा बनी रहे।राजगढ धाम पर होली महोत्सव की शुरूआत शनिवार रात से हो गई थी। शेखावाटी चंग पार्टी ने ढप.चंग की थाप पर होली व फालुग्न के गीत गाकर तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर को रंगमय कर दिया। रात में सांस्कृतिक भजन संध्या का भक्तों ने आनद लिया।धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि रविवार को धाम पर आए श्रद्धालुओ ने बाबा भैरव, मां कालिका के साथ बाबा रामदेव सन्त सेनजी महाराज, मां दुर्गा बजरंग बली एवं शिव परिवार के दर्शन किए साथ ही मनोकामनापूर्ण स्तम्भ कीर परिक्रमा कर चमत्कारी चिमटी प्राप्त की व होली के शुभ अवसर पर अपने परिवार के खुशहाली के लिए प्रार्थना की। चम्पालाल महाराज की प्रेरणा से रविवारीय मेले में पिछले कई वर्षो से चलाए जा रहे नशामुक्ति महाअभियान में इस रविवार को भी सैकड़ों महिला श्रद्धालुओं, छोटे बच्चों पुरूषों ने नशे की लत को त्यागने के लिए बढ़.चढ़कर नशामुक्ति का संकल्प लिया।

अजमेर के पंचशील नगर में होलिका दहन पर उमड़ा जन समुदाय

अजमेर। होली के उत्सव में रंगे शहर की गली मोहल्लों मे रविवार देर रात निर्धारित मुहूर्त पर होलिका दहन किया गया। पंचशील नगर के विभिन्न सेक्टर्स में अपार जनसमूह की मौजूदगी में होलिका दहन विधि.विधान से होलिका पूजन के बाद हुआ। होली से ठीक एक दिन पहले होलिका दहन किए जाने की परंपरा है।होलिका दहन में पूजा कर माताओं बहनों ने घर में सुख.शांतिए समृद्धि की कामना की। ऐसी मान्यता है कि इस दिन स्वयं को ही भगवान मान बैठे हरिण्यकशिपु ने भगवान की भक्ति में लीन अपने ही पुत्र प्रह्लाद को अपनी बहन होलिका के द्वारा जीवित जला देना चाहा था। हालांकिए भगवान ने भक्त पर अपनी कृपा की और प्रह्लाद के लिए बनाई चिता में स्वयं होलिका जल मरी। तभी से इस दिन होलिका दहन मनाने की परंपरा शुरू हुई।

इस बार अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला के विराजित होने से प्रफुल्लित आमजन में होली को लेकर उत्साह दोगुना नजर आया। होलिका दहन का मुहूर्त देर रात का होने से शाम से ही पूजा का सिलसिला चलता रहा। डीजे की धुन और भजनों की गूंज के बीच लोग खूब थिरके। अकेले पंचशील नगर में बी ब्लॉक, डी मार्ट गणेश गुवाडी समेत अनेक स्थानों पर होलिका दहन के समय कॉलोनी के बाशिंदे उमड पडे। महिलाओं ने मंगल गीत गाए।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी की 46 उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को चौथी सूची जारी कर दी जिसमें 12 रायों के लिए कुल 46 उम्मीदवारों के नाम शामिल है।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया की पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने जिन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है उनके नाम चौथी सूची में शामिल किए गए हैं। पार्टी ने जिन राज्यों के लिए लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं उनमें असम, अंडमान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट, मणिपुर, मिजोरम, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा पश्चिम बंगाल शामिल है।कांग्रेस ने उधमपुर से हाल ही में पार्टी में शामिल हुए चौधरी लाल सिंह को टिकट दिया है जब के मध्य प्रदेश के राजगढ़ से वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंहए रतलाम से कांतिलाल भूरिया, तमिलनाडु के कुरुर से एस ज्योति मणि, शिव गंगा से ए कार्तिक, पी चिदंबरम, सहारनपुर से इमरान मसूद, अमरोहा से दानिश अली देवरिया से अखिलेश प्रसाद सिंह, हरिद्वार से वीरेंद्र रावत तथा वाराणसी से अजय राय को मैदान में उतारा है। वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है।असम के लखीमपुर उदय शंकर हजारिक, अंडमान निकोबार दीप कुलदीप राय शर्मा। जम्मू कश्मीर के उधमपुर से चौधरी लाल सिंह जम्मू रमन भाटिया। मध्य प्रदेश के सागर से गुड्डू राजा बुंदेला रीवा नीलम मिश्रा, शहडोल एसटी फन्दे लाल सिंह मार्को, जबलपुर एडवोकेट दिनेश यादव, बालाघाट सम्राट सारस्वत होशंगाबाद संजय शर्मा, भोपाल अरुण श्रीवास्तव, राजगढ़ दिग्विजय सिंह, उज्जैन, महेश परमार, मंदसौर दिलीप सिंह गुर्जर रतलाम ,कांतिलाल भूरिया, इंदौर से अक्षय बाम। महाराष्ट्र के रामटेक रश्मि श्याम कुमार बर्वे नागपुर से विकाश ठाकुर, भंडारा गोंदिया प्रशांत यादव रा पाडोले गडचिरोली से नामदेव दसानम किरसम। मणिपुर भीतरी से के अकोईजम मणिपुर बाहरी एसटीसी एके एस अर्थुर। राजस्थान के जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा करौली धौलपुर ;सुरक्षित से भजनलाल जाटव नागौर से ;आरएलपी के लिए छोडी। तमिलनाडु के त्रिवल्लूर;एससी से शशिकांत सेंथिल कृष्णागिरी से के गोपीनाथ, करूर से एस ज्योतिमणि ,गुड्डलूर से डॉ. एम के विष्णु प्रसाद,शिवगंगा से कार्ति पी चिदम्बरम, विरदूनगर से बी मणिक्कम टैगौर कन्याकुमार से विजय वंसत। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इमरान मसूद अमरोहा से दानिश अली, फ्तेहपुर सीकरी से रामनाथ सिकरवार कानुपर से अशोक मिश्रा झांसी से प्रदीप जैन आदित्य बाराबंकी तनुज पुनिया देवरिया से अखिलेश प्रताप सिंह, बांसगांव ;सु सदन प्रसाद, वाराणसी अजय राय। उत्तराखंड के नैनीताल उधमसिंह नगर से प्रकाश जोशी व हरिद्वार से विरेन्द्र रावत। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार;एससी से पिया रॉय चौधरी।

नागौर सीट आरएलपी के लिए छोडी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)